the public sector undertakings in December, 1993. Of the 203 operational public sector enterprises, 109 have set up shop/plant level participative fora. Another 48 enterprises have implemented modified versions of the Scheme. The Scheme has also been introduced in a number of undertakings belonging to the State Governments.

Golden-Handshake Scheme for Central Government Employees

1291. DR. SUBRAMANIAN SWAMY: MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to offer 'golden handshake' Scheme to Central Government employees of various ministries and departments;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether Government have circulated the proposal to various ministries/for opinion/reaction; and

(d) if so, what is the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) to (d) At present, there is no proposal under consideration to offer a 'golden handshake' scheme to Central Government employees.

रोजगार के अवसर

1292. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

श्रीमती सुषमा स्वराज क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान लघु क्षेत्र और अति लघु क्षेत्र में रोजगार के 24.5 लाख अतिरिक्त अवसर पैदा करने के लिए 14.333 करोड़ रुपये के निवेश से एक महत्वकांक्षी योजना कार्यान्वित करने का निर्णय किया है,

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या सरकार ने उक्त योजना के कार्यान्वयन के लिए कोई समय-बद्ध योजना तैयार की है, और

(घ) यदि हां, तो आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रतिवर्ष कितने युवकों को रोजगार प्रदान किया जायेगा ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० जे० कुरियन) : (क) से (ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992–97) के दौरान लघु तथा अति लघु क्षेत्रों में 24.5 लाख अतिरिक्त रोजगार के अवसरों के आंकड़ों का अनुमान 14333 करोड़ रुपये के अतरिक्त निवेश तथा उत्पादन मान दंडों पर आधारित है ।

(घ) अनंतिम रूप से अनुमानित 24.5 लाख अतिरिक्त रोजगार के अवसरों में युवाओं की संख्या का अनुमान लगाना सम्भव नहीं है ।

कर्मकारों को मुआवजा

1293. **श्री चतुरानन मिश्र** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 22 अप्रैल, 1992 के हिन्दी दैनिक "जनसत्ता" में "उंगलियां कटने से रोटी के लिए मोहताज" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) कारखाने में काम करते समय जिन कर्मकारों की उंगलियां कट गई थीं, उनके उपचार और उन्हें मुआवजा दिलवाने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

श्रम मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पवन सिंह घटोवर) : (क) जी. हां ।

(ख) और (ग) मैसर्स राजबीर प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज, करावल नगर, दिल्ली के एक कर्मचारी श्री राधेश्याम मिश्रा के साथ 31-1-1992